



## १५६ वें मर्यादा महोत्सव

पर मर्यादा निर्माता आर्य भिक्षु को शत शत नमन.....

मर्यादा है प्राण संघ का, मर्यादा ही शान है ।  
आर्य भिक्षु की मर्यादाओं से, बना तेरापथ महान है ॥

:: श्रद्धाप्रणत ::

अखिल भारतीय तेरापथ महिला मंडल



# अध्यक्षीय ▼

मर्यादा मानव जीवन की सर्वोत्तम निधि है।  
मर्यादा सहज जीवन की सहज विधि है।  
सदा सुरक्षित है जिसके पास मर्यादा का कवच  
इसलिए मर्यादा सत्यं, शिवं, सुन्दरं की उपलब्धि है।

प्रिय बहनों,

रात्रि में भटकते हुए व्यक्ति को दीप, प्यास से व्याकुल व्यक्ति को पानी, समुद्र में डूबते हुए को द्वीप, धूप से पीड़ित व्यक्ति को वृक्ष की छांव और सर्दी में ठिठुरते व्यक्ति को अग्नि का ताप मिल जाता है वैसे ही इस कलियुग में हम आचार्य भिक्षु द्वारा प्रदत्त मर्यादित तेरापंथ धर्मसंघ मिला, आचार्य श्री महाश्रमण जैसे अनुशास्ता मिले। आओ बहनों ! हम अपने व्यवहार में आचरण में, विचारों में अनुशासन को लाये, जीएं और जीवन को सार्थक बनाएं। सहिष्णुता, विनम्रता, संतोष की चेतना को जागृत करते हुए अनुशासित व मर्यादित जीवन जीने की कोशिश करें तभी सच्ची श्रद्धांजली होगी उस महामानव आचार्य भिक्षु के प्रति।

## कैसे संभालें रिश्तों की डोर

परिवार हमारे समाज की सबसे छोटी एवं सबसे महत्वपूर्ण ईकाई है। सकारात्मक चिन्तन परिवार के सौन्दर्य को निखारता है। यह सच है कि परिवार में रिश्तों को बनाए रखने के लिए दूसरों की भावनाओं को समझने के साथ ही जरूरी है वैचारिक और व्यावहारिक सामंजस्य। जहां संप है वहाँ सम्पत्ति है, संघ के लिए आवश्यक है व्यक्ति अभाव को न देखें, भाव को देखे। दूसरों के साथ तुलना ना करे, तटस्थ रहना सीखे। प्रतिक्रिया से बचे, एक दूसरे को सहन करना सीखे। आज मकान तो बड़े हो गए लेकिन दिल छोटे हो गए। हम दिल जोड़ना सीखें। छोटी-छोटी बातों को आई गई करना सीखें। मौके पर कहना, अच्छे ढंग से रहना और सहने वाला व्यक्ति परिवार के हर सदस्य को साथ लेकर चलता है। **जिन्दगी की किताब में धैर्य के कवर का होना बहुत जरूरी है क्योंकि वहीं हर पन्ने को बांधकर रखता है।** ठीक उसी तरह रिश्तों को एक साथ एक माला में पिरोकर रखना चाहिए।

आज लोगों में शालीनता सहजता, समता सरीखें गुणों का तेजी से ह्रास हो रहा है। परिवार से लेकर स्कूल कॉलेजों में, मिल कारखानों में, दुकान-दफ्तरों में, राजनीति क्षेत्र में सर्वत्र असंतोष और द्वंद पैदा हो रहे हैं। क्रोध, आवेश, ईर्ष्या अवगुणों से परिवार ही नहीं बल्कि समाज और देश भी टूट रहे हैं हमें इस दिशा में गंभीर चिन्तन कर प्रयत्न करना चाहिए कि परिवार में सामंजस्य कैसे हो ?

गलतियां किसी से भी हो सकती है तो स्वीकार करते समय अपना अहं, पद या उम्र में बड़े होने का महत्व न देकर उन बातों को नजर अन्दाज करना चाहिए जिनसे रिश्तों के बीच कड़वाहट घुलने लगती है किसी ने सच ही कहा है कि - **“शीशा और रिश्ता दोनों नाजुक होते हैं शीशा गलती से टूटता है जबकि रिश्ता गलतफहमियों से।”** गलतफहमियों को दूर करने के लिए यदि परिवारों में 4-S का समावेश हो जाए तो सब परिवार सुखी और सम्पन्न हो जाएंगे।

- 1-S सामंजस्य
- 2-S सौहार्द
- 3-S सहयोग
- 4-S सहिष्णुता

इन 4-S को अपनाने से परिवार में समरसता बढ़ती है। पारस्परिक प्रमोद भावना का विकास होता है, विचारों के आदान प्रदान के क्षण, एक दूसरे की देखभाल, समर्पण प्रेम और त्याग के क्षण ऐसे परिवारों की

पहचान है जो अद्भुत है।

रिश्तों के है रूप अनेक, रिश्तों की पहचान है आपनी

रिश्तों को अगर कोई समझे तो, रिश्तों की शान है आपनी।।

जैसे महकते है फूल वैसे ही रिश्तों की महक होती है भीनी-भीनी ताजगी भरी। लेकिन रिश्तों में रस यूं ही नहीं आता। इसके लिए प्यार बांटना पड़ता है। बसन्त ऋतु के आगमन पर आइए त्याग और जुड़ाव, मेलजोल और अपनेपन की खाद, पानी से रिश्तों की बेल को महकाएं।

सदियों से चली आ रही हमारी संस्कृति पुरुष प्रधान संस्कृति है। पुरुषों को हर दृष्टिकोण से ज्यादा महत्व दिया जाता है जिन्दगी के दो पहलू है। एक पहलू - पुरुष पैसा कमाते है। दूसरा पहलू - स्त्रियां घर का काम संभालती है। इसका मतलब स्त्रियों का जिन्दगी के हर पड़ाव में पुरुषों के जितना ही हाथ होता है। इस तरह कमाने वाला बड़ा व बाकी काम छोटे। ऐसी भावना घर कर जाने से महिलाओं में आत्म निर्भर बनने की महत्वाकांक्षा और अपनी अलग पहचाने बनाने की चाहत उन्हें कैरियर वुमेन बनने के लिए प्रेरित कर रही है। ख्याति के साथ-साथ अधिक धन कमाना और अधिक से अधिक सुख सुविधा जुटाना उनकी जीवन शैली का प्रमुख लक्ष्य बन गया है। घर और कैरियर के बीच में झूलती नारी के समक्ष चुनौतियां कम नहीं है। पुरुष प्रधान समाज में खुद को साबित करना अपने आप में बड़ी चुनौती है। महिलाएं उसे स्वीकार कर लगातार आगे बढ़ना चाहती है, लेकिन कैरियर के प्रति समर्पित महिला अब धीरे-धीरे घर की जिम्मेदारियां और पति की नजदीकियों से दूर होती चली जा रही है। कुछ पाने की लालसा में औरत बहुत कुछ खोने लगी है पर उसे यह समझना जरूरी है कि कैरियर बनाने के साथ-साथ घर बनाना ज्यादा महत्वपूर्ण है। इन दोनों के बीच समझौता करके चलने को ही जीवन जीने की कला कहते हैं।

Every body knows how to buillt a house. But only a few people knows how to live beautifully in the House.

इन्सान घर को सुन्दर बनाने में लगा है पर इस चारदीवारी को घर नहीं मकान कहते है। घर भौतिक साधनों से नहीं, रिश्तों की मिठास से बनते है। यह मिठास एक दूसरे के साथ बिताए हुए वक्त से आती है। एक वक्त था जब चार भाई किराए कमरे में हंसते, मस्ती से लड़ते-झगड़ते कब सो जाते थे पता ही नहीं चलता था पर अब सुन्दर मकानों में चार अलग अलग कमरों में रहते हुए भी नींद उड़ सी गई है। जीवन की इस दौड़ में दौड़े जा रहे है पर इस दौड़ से रुककर कोई नहीं देखना चाहता कि हम दौड़े तो जा रहे है पर किसलिए ? रिश्तों में मिठास लाने के लिए हमें एक दूसरे के साथ वक्त बिताना होगा, सुख-दुःख बांटने होंगे। जीवन का आनंद मिलजुल कर रहने में ही है।

हम अकेले बूंद है, मिल जाएं तो सागर है।

अकेले हम धागा है, मिल जाएं तो चादर है।

गणाधिपति गुरुदेव तुलसी कहते थे जो लोग सुख व शांत जीवन जीना चाहते हैं उन्हें स्थान बदलने से पहले अपना स्वभाव बदलने की बात सोचनी चाहिए।

रिश्ते बहुत अनमोल है, कोमल है, उन्हें प्रेम से निभाएं। सहिष्णुता हमारा असली गहना है, विवेक हमारा रक्षा कवच है, माधुर्य हमारा श्रृंगार है। येन केन प्रकारेण हमारी भावना ये रहे कि हर घर में खुशहाली हो, हर रिश्ता मुस्कुरायें - हर परिवार स्वर्ग से ज्यादा सुखद व सुन्दर नजर आए। यह प्रयास हमारे हर शाखा मंडल व हर कार्यकर्ता को करना है।

आपकी

पुष्पा वैद्य



# ऊर्जावाणी



जो समाज सौहार्द को विकसित नहीं कर पाता, वह आगे नहीं बढ़ सकता। यदि परिवार से दूर रहने पर भी सौहार्द का सेतु जुड़ा रहे तो बहुत सी नयी उभरने वाली समस्याओं को रोका जा सकता है। पारिवारिक जीवन की सफलता के तीन सूत्र हैं सहनशीलता, स्नेहशीलता और श्रमशीलता।

आचार्य श्री तुलसी



आचार्य महाप्रज्ञ कहते हैं पहले रोग की नहीं, रोगी की चिकित्सा करो। रोगी की चिकित्सा का अर्थ है शरीर, बुद्धि, मन एवं चित्त (भाव) की चिकित्सा करो। इन सबको एक साथ स्वस्थ रखना ही पूर्ण स्वास्थ्य है।

आचार्य श्री महाप्रज्ञ



परिवार में समस्याएं उत्पन्न होती रहती हैं। उसका एक कारण है सहन शक्ति का अभाव। जिनके साथ में जीना हो और एक दूसरे को सहन करने की क्षमता न हो तो वे शांतिमय जीवन कैसे जी पाएंगे। व्यवहार जगत में पारस्परिक प्रमोद भाव और वात्सल्य का विकास अत्यन्त आवश्यक है। स्वार्थ भाव से मुक्त पदार्थ और उदारता का भाव हो तो विवाद उत्पन्न होने का अवसर ही नहीं मिलता। विवाद का जन्म होता है अहंकार के पोषण से। जो मिथ्या आग्रह में उलझ जाते हैं वे परिवार की शांति को भंग कर देते हैं। सबका भला हो, कल्याण हो, शुभ हो, जब ऐसा चिन्तन है वहां शान्तिपूर्ण अस्तित्व कायम रहता है और दाम्पत्य जीवन सुखमय बनता है।

आचार्य श्री महाश्रमण



जिस परिवार के सदस्य एक दूसरे को सहन करते हैं एक दूसरे के सुख दुख में अपनी भागीदारी रखते हैं, परम्पराओं और वर्जनाओं के प्रति सचेत रहते हैं, अर्थ या पदार्थ को जीवन का साध्य नहीं, साधन मानते हैं, पारिवारिक हित के लिए व्यक्तिगत हित को गौण कर देते हैं तथा आग्रह से दूर रहते हैं। वह परिवार एक आदर्श परिवार हो सकता है।

साध्वी प्रमुखा कनकप्रभा

# करणीय कार्य ▼

मेरा परिवार..... मेरा संसार

“स्व से शिखर तक” के सफर का तीसरा पड़ाव..... मैं..... हम..... और अब है हमारा परिवार। तीनों पीढ़ियों को (दादा-दादी, माता-पिता एवं बच्चों) को साथ लेकर एक पारिवारिक कार्यशाला की आयोजना करें।

तीनों generation के तीन ग्रुप बनाकर निम्नलिखित बिंदुओं पर चर्चा परिचर्चा करें।

Generations के बीच के फासलों को कैसे कम करें।

- कैसे बढ़ाएं परिवार में सामंजस्य ?
- कैसे करें मन की भावना को उजागर ?
- Communication एवं Time Management का परिवार में महत्व ?
- Job के साथ परिवार में तालमेल कैसे बिठायें ?

## स्व से शिखर तक ज्ञान चेतना वर्ष, करे उत्कर्ष

स्वस्थ परिवार कार्यशाला  
मेरा परिवार – मेरा संसार  
की आयोजना करें।



- सभी शाखा मंडल फरवरी माह में मेरा परिवार – मेरा संसार कार्यशाला का आयोजन करें।
- छोटे क्षेत्र 2 घंटे व बड़े क्षेत्र चार घंटे की कार्यशाला आयोजित करें।
- इस कार्यशाला में आप अन्य संगठनों को भी जोड़े।
- इस कार्यशाला में युवती बहनें ज्यादा से ज्यादा संभागी बनें ऐसा प्रयास करें।
- अगर आवश्यकता हो तो विशेष प्रवक्ता से भी प्रशिक्षण दिलाया जा सकता है।



## स्व से संकल्प

लक्ष्य की सिद्धि के लिए सिद्धि का ध्यान और सिद्धि का संकल्प सफलता का अमोघ उपाय है। सिद्धि के ध्यान और संकल्प की सिद्धि में सबसे बड़ी बाधा है - मन की चंचलता। यदि व्यक्ति मन की चंचलता व गुस्से के हेतुओं को जाने और उन्हें मिटाने का प्रयास करे तो सिद्धि और सफलता की दिशा उद्घाटित हो सकती है।

सिद्धि के लिए प्रतिकूल परिस्थितियों के बने अगर मीत तो सफलता तुमसे निभायेगी प्रीत, देगी वरदान में जीत  
“चन्देसु निम्मलयरा”

इसका प्रयोग बहुत महत्वपूर्ण है। इस प्रयोग में अनेक रहस्य छिपे हुए हैं। यह मृत्युंजय महामंत्र का काम भी करता है। जिन लोगों को भयंकर गुस्सा आता है, वो लम्बे समय तक “चन्देसु निम्मलयरा” का सफेद रंग के साथ ललाट पर ध्यान करें तो गुस्सा संतुलित हो जाता है, समस्या समाहित हो जाती है। एक माह तक एक माला प्रतिदिन फेरें।



## Art Khazana

कार्यशाला में संभागी बहनें अपने साथ अपनी फैमिली फोटो फ्रेम को स्वयं डिजाइन करके लाये।

सबसे क्रिएटिव फ्रेम और हैप्पी फोटो को पुरस्कृत किया जायेगा।

## संगठन यात्रा

प्रिय बहनों,

अब समय आ गया है संगठन यात्रा का। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के राष्ट्रव्यापी स्वरूप को उसकी महनीय योजनाओं को जागरूकता के साथ क्रियान्वित करने के लिए जरूरी है। शाखा मंडलों से निरन्तर सम्पर्क, संभाल एवं आपसी तालमेल। जिससे संगठन की प्राणवृत्त बनी रहे। जिसमें क्षेत्रों को मंडल की हर गतिविधि से न केवल अवगत कराना है बल्कि हर गतिविधि से जोड़ना है। जनवरी 2020 से अप्रैल 2020 तक संगठन यात्राएं करनी है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि परम पूज्य आचार्य प्रवर के आशीर्वाद एवं मातृ हृदया असाधारण साध्वी प्रमुखाश्रीजी के द्वारा संप्रेषित ऊर्जा से हम अपने लक्ष्य में अवश्य सफल होंगे।



अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें -  
संगठन यात्रा संयोजिका - श्रीमती सरिता  
डागा, 9413339841



## कंठस्थ ज्ञान

भक्तामर स्रोत का 13,14,15,16 चार पद्य याद करें एवं चौबीसी की चौथी गीतिका “अभिनंदन प्रभु” की याद करें।



## आपके फोन से...

### Family No. 1 - Short film competition!!

अपने परिवार के साथ 2 मिनट का एक वीडियो बनाये जिसमें आप निम्न बातें दिखा सकते हैं।

- हम एक दूसरे को क्यों चाहते हैं।
- समझे अपना दायित्व।
- संस्कारों का आदान प्रदान।
- परिवार के साथ यादगार लम्हें।

सभी शाखा मंडल अपने क्षेत्र से सिर्फ एक बेस्ट वीडियो को 15 अप्रैल तक

रा.का.स.-वीना बैद 9448063260 को Whatsapp करें।

विशेष : वीडियो में अपना एवं अपने क्षेत्र का नाम अवश्य डालें।

# कन्यामंडल करणीय कार्य ▼

प्यारी बेटियों,

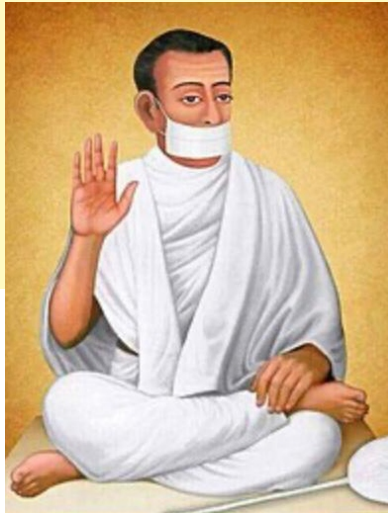
सस्नेह सादर जय जिनेन्द्र ।

अनुशासन व मर्यादा का प्रतीक तेरापंथ धर्मसंघ का अतिविशिष्ट पर्व है मर्यादा महोत्सव । मर्यादा व अनुशासन की डोर में बंधा है हमारा अभूतपूर्व संघ । एक गुरु एक विधान की नीति पर चलने वाला हमारा तेजस्वी तेरापंथ धर्मसंघ, जिसके आद्य प्रवर्तक आचार्य भिक्षु ने संघ की सुदृढ़ता के लिए मर्यादाओं का निर्माण किया । उनकी लेखनी से लिखा गया । मर्यादा पत्र जिसका वाचन पूर्ण निष्ठा के साथ मर्यादा महोत्सव के अवसर पर किया जाता है ।

अनुशासन का प्रतीक है मर्यादा, जीवन का उपहार है मर्यादा  
सफल जीवन का आधार है मर्यादा ।।

प्यारी बेटियों – मर्यादा हमारे व्यक्तित्व निर्माण की उत्कृष्ट संजीवनी है । मर्यादा वह मशाल है जिससे जीवन संयमित होकर एक मिसाल बन जाता है । जीवन के हर क्षेत्र में मर्यादा अपेक्षित है । प्रकृति अर्थात् सूर्य, चन्द्रमा, पृथ्वी, सागर की मर्यादित गतिविधियों से ही हम सुरक्षित हैं । सड़क पर वाहन सिग्नल के नियम से चलते हैं तभी सुरक्षित गंतव्य तक पहुंचते हैं, स्कूलों में अनुशासन ना हो तो बच्चों का विकास सम्भव नहीं । परिवार में यदि मर्यादा न हो तो परिवार में माधुर्य संभव नहीं ।

तो आइये मर्यादा के महत्व को जानें, मर्यादा की ज्योत प्रज्ज्वलित करने वाले वीर भिक्षु को अनंत आस्था व श्रद्धा के साथ कोटि-कोटि नमन करते हुए ।



आपकी दीदी  
रमण पटावरी

## Rise up With Reverence & Devotion

श्रद्धा भक्ति के स्वर – हर पल हो विकस्वर  
भिक्षु भजन प्रतियोगिता

- कार्यक्रम का शुभारम्भ भिक्षु अष्टकम के संगान के साथ करें ।
- श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन – जानें श्रावक की मर्यादाओं को ।
- आचार्य भिक्षु पर आधारित भजन गायन प्रतियोगिता का आयोजन करें ।

मासिक संकल्प – “ओम भिक्षु” इस चमत्कारी मंत्र की एक माला का जाप करें ।

# परिष्कार करें स्वयं का ▼

## दो दिवसीय पूर्वांचल आंचलिक कार्यशाला

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के 'तत्वावधान' में सिलीगुड़ी महिला मंडल द्वारा आयोजित असम, बंगाल, बिहार, भूटान, नेपाल, सिक्किम की महिला व कन्या मंडल की आंचलिक कार्यशाला के प्रथम सत्र 'परिष्कार की शुरुआत - मंगल भावों के साथ' का विधिवत उद्घाटन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद, महामंत्री व उनकी पूरी राष्ट्रीय टीम स्थानीय अध्यक्ष, मंत्री द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सिलीगुड़ी महिला मंडल द्वारा परिष्कार गीत के संगान के साथ हुआ।



राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने वक्तव्य में जनमेदिनी को परिष्कार का आह्वान करते हुए कहा कि आत्मोद्धार का सूत्र यही है कि हम गलत आदतों को छोड़ने का निर्णय लेते हुए अपने अन्दर ऐसी आदतें स्थापित करें कि अच्छे विचार धीरे-धीरे आ जाए। शुरु में मन से संघर्ष करना पड़ता है क्योंकि मन एक बिगड़े बच्चे के समान है लेकिन हमारी बुद्धि विवेक रखती है हम गलत आदतों की जगह अच्छी बातों को अपनाकर आदतों का परिष्कार कर सकते हैं। इस कार्यक्रम में विशेष अतिथि थे मेयर अशोक नारायण भट्टाचार्य व श्रीमती रंगू सरिया व B.S.F. DIG मुख्य अतिथि ने अपने विचार रखते हुए कहा कि समाज को धार्मिक व आध्यात्मिक कार्यों को अधिक महत्व देना चाहिए।

स्पीकर रंगू सरिया ने भी अपने वक्तव्य में परिष्कार पर विचार प्रस्तुत किए।

इस कार्यक्रम में करीब 30 क्षेत्रों की बहिनों व कन्याओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में पूज्य प्रवर का संदेश वाचन श्रीमती लता गोयल (राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य) व प्रमुखाश्रीजी का संदेश वाचन श्रीमती शशी बोहरा (राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य) ने किया।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा वीडियो प्रदर्शन "परिष्कार का संदेश, सिखें कुछ विशेष" किया गया। उपरोक्त विषय पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद व महामंत्री श्रीमती तरुणा बोहरा ने बहुत ही सुन्दर व मार्मिक विचार रखे।

महिला मंडल की अध्यक्ष रानी भंसाली ने आए हुए अतिथियों का स्वागत किया। सभा अध्यक्ष श्रीमान् हेमन्त कोठारी ने सभी संस्थाओं की तरफ से स्वागत किया। आभार ज्ञापन मंत्री संगीता घोषल ने किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन मनीषा सुराणा ने किया। यह कार्यक्रम चार चरणों में सम्पन्न हुआ।

द्वितीय सत्र-

"करें परिष्कार सौम्य हो शिष्टाचार" आचार विचार इस कार्यक्रम का शुभारम्भ महिला मंडल कूचबिहार के मंगलाचरण से हुआ। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता श्रीमती मधु खेमानी ने भी परिष्कार पर अपने सटीक विचार रखे। महामंत्री तरुणा बोहरा ने एक्टिविटी द्वारा प्रशिक्षण दिया- अपने प्रयोगों में उन्होंने बताया कि कैसे हम खुले विचारों के साथ जो चाहे जब चाहे हासिल कर सकते हैं। बस जरूरत है हम अपने आचार, विचार और परिधान का परिष्कार करते रहे। इस जीवन में मनुष्य गति मिलना और फिर जैन कुल में जन्म,



अपने आप में सौभाग्य की अनुभूति करें एवं अपने व्यवहार में धर्म को जीएं। इस कार्यक्रम का संयोजन श्रीमती कुसुम डोसी व आभार ज्ञापन श्रीमती सुमन बैद ने किया।

तृतीय सत्र

“परिष्कार की पहचान, व्यक्ति बने महान” इस सत्र में राष्ट्रीय सह प्रचार प्रसार मंत्री श्रीमती सोमन बागरेचा व राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य विद्या कुण्डलिया ने बहनों को गेम द्वारा सुन्दर प्रस्तुति दी। सायंकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम में परिष्कार के बढ़ते कदम - हम किसी से नहीं है कम पर रखा गया। उसमें सिलीगुड़ी व विभिन्न क्षेत्रों से पधारी बहनों ने रोचक व सुन्दर प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संयोजन श्रीमती ललिता कोठारी व आभार श्रीमती सुधा मालू ने किया।

चतुर्थ सत्र

“परिष्कार से जाने एक दूसरे की खुशियों को” इस कार्यक्रम का शुभारम्भ सुदूर क्षेत्रों से आई हुई हमारी बेटियों ने (कन्या मंडल) मधुर स्वर लहरी से किया। इस कार्यक्रम के प्रेरक वक्ता श्री जितेन्द्र जी मित्तल व श्रीमती सीमा बैद (बिहार प्रभारी) ने अपने विचारों की सुन्दर प्रस्तुति दी। इस सत्र के विशेष अतिथि थे श्री आर. आर. शर्मा, बी.एस.एफ. कमांडर व श्री अचिन्ता गुप्ता। विशेष वक्तव्य दिया कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती रमन पटावरी ने। संयोजन - संजू सेठिया, मंत्री संगीता घोषल ने किया। इस कार्यशाला को सफल बनाने में श्रीमती सोनम बागरेचा (राष्ट्रीय सह प्रचार प्रसार मंत्री) श्रीमती रमन पटावरी (राष्ट्रीय कन्या मंडल प्रभारी) श्रीमती लता गोयल, श्रीमती शशी बोहरा, श्रीमती विद्या कुण्डलिया व श्रीमती सीमा बैद (राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्याएं) का पूरा सहयोग रहा। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद ने अपने प्रेरणादायी में कहा - हमें नाज है हमारे शाखा मंडलों की कर्तव्य शक्ति पर जो हमारे एक आह्वान पर बहिनें पूरी लगन व मेहनत से कार्य करने में जुट जाती है धन्यवाद है अध्यक्ष रानी भंशाली व मंत्री संगीता घोषल व पूरी टीम को जिन्होंने इस कार्यशाला को सुचारु रूप से नियोजित किया। कार्यक्रम में सभी शाखा मंडलों का सम्मान किया गया।

## सिलीगुड़ी - आचार्य महाप्रज्ञ सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र का उद्घाटन



आचार्य महाप्रज्ञ सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र का उद्घाटन अभातेममं की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद, महामंत्री श्रीमती तरुणा बोहरा के करकमलों से हुआ। सिलीगुड़ी के मेयर श्री अशोक नारायण भट्टाचार्य मुख्य अतिथि थे। महिला स्वरोजगार योजना के तहत इस केन्द्र का उद्घाटन किया गया। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की कोशिश के तहत सिलीगुड़ी महिला मंडल द्वारा इसे संचालित किया जाएगा। यह केन्द्र इंडोर स्टेडियम, देशबंधुपारा से संचालित किया जाएगा। इस अवसर पर अध्यक्ष श्रीमती रानी भंशाली, मंत्री श्रीमती संगीता घोषल, उपाध्यक्ष श्रीमती मनीषा सुराणा सहित काफी संख्या में बहनें उपस्थित थी।

## दो दिवसीय पश्चिमांचल स्तरीय महिला मंडल व कन्या मंडल कार्यशाला “परिष्कार करें स्वयं का”

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में तेरापंथ महिला मंडल “वापी” द्वारा 17-18 जनवरी 2020 को दो दिवसीय मध्यप्रदेश एवं गुजरात स्तरीय महिला मंडल एवं कन्या मंडल की आंचलिक कार्यशाला “परिष्कार करें स्वयं का” कार्यशाला का विधिवत उद्घाटन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद, राष्ट्रीय ट्रस्टी श्रीमती कनक बरमेचा, महामंत्री श्रीमती तरुणा बोहरा, राष्ट्रीय कार्यकारिणी टीम एवं सभी संस्था के पदाधिकारियों द्वारा हुआ।



प्रथम सत्र : परिष्कार की शुरुआत-मंगल भावों के साथ- सर्वप्रथम कन्यामंडल वापी द्वारा सुन्दर प्रस्तुति के साथ महाप्रज्ञ अष्टकम व गीतिका द्वारा महिला मंडल ने मंगलाचरण किया। स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती मधु झाबक ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। आचार्यश्री महाश्रमणजी के संदेश का वाचन राष्ट्रीय प्रचार प्रसार मंत्री श्रीमती निधि सेखानी व प्रमुखाश्रीजी का संदेश श्रीमती भारती सेठिया द्वारा किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद ने अपने वक्तव्य में कहा पहले परिष्कार करें अपनी आदतों का, संस्कारों का, बुराईयों का। इन सब में परिवर्तन लाना परिष्कार कहलाता है। छोटी-2 कमियां जो हमारे अन्दर है वो हमारे व्यवहार को दर्शाती है। संकल्प शक्ति व प्रयास करके ही हम अपने चरित्र को अच्छा बना सकते हैं, विकास कर सकते हैं, आगे बढ़ सकते हैं।

वलसाड बाल कल्याण कमेटी अध्यक्ष सोनलजी सोलंकी ने कहा ऐसी कार्यशाला की जरूरत पूरे देश को है। नारी शक्ति संगठित होकर सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़े। ब्रह्माकुमारी रश्मिकाजी ने कहा - “परिष्कार करें स्वयं का, बहिष्कार करे अहं का। समाज परिवर्तन के लिए पहले शुभ सोचो, शुभ करो तो लाभ होगा।”

राष्ट्रीय ट्रस्टी श्रीमती कनक बरमेचा ने कहा - इस कार्यशाला के बिंदु व लोगो हमें बताता है कि बिना ध्यान के यह प्रक्रिया संभव नहीं। परिवर्तन या परिष्कार करना है तो हमें खुद का। परिवार का, समाज का करना है अनुप्रेक्षा द्वारा यह प्रक्रिया संभव है। महामंत्री तरुणा बोहरा ने बताया कि स्वयं का परिष्कार करते हुए स्वयं को समझे व आगे बढ़े। क्या कमियां है फिर उन्हें दूर करे। गुरु इंगित संकल्पित होकर अपने उद्देश्य को पूरा करें। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती एकताजी कच्छारा व संगीता जी मुणोत व आभार मंजूजी कोठारी द्वारा किया गया।

द्वितीय सत्र : करें परिष्कार - सौम्य हो आचार, विचार, शिष्टाचार इस सत्र का शुभारम्भ बड़ौदा महिला मंडल के सुमधुर मंगलाचरण द्वारा किया गया। राष्ट्रीय कन्या मंडल संयोजिका सुश्री यशिका खटेड़, प्रज्ञा नौलखा व सह संयोजिका नमिता सिंघवी ने प्रश्नोत्तरी व रोचक गेम करवाए। राष्ट्रीय सहमंत्री श्रीमती मधु देरासरिया ने अपने विचारों की प्रस्तुति देते हुए कहा - शिष्टाचार यानि बड़ों को सम्मान देना व हमें आगे बढ़ने में सहायक बनाता है। मुम्बई से पधारे रचनाजी हिरण ने परिष्कार पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि जैसा हम देंगे वैसा ही मिलेगा। स्वयं को बदलकर पॉजिटिविटी को अपने जीवन में उतारना चाहिए। मोटिवेटर प्रशान्त जी जोशी ने बहिनों को सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाकर कैसे हम अपने आचार, विचार व शिष्टाचार से परिष्कार कर जीवन सार्थक बना सकते हैं। कार्यक्रम का कुशल संचालन करुणा बागरेचा व महक पामेचा ने किया। आभार ज्ञापन श्रीमती हीराजी कच्छारा ने किया।

तृतीय सत्र : परिष्कार की पहचान - व्यक्ति बने महान तृतीय सत्र की शुरुआत उधना महिला मंडल के मंगलाचरण से हुई। कन्या मंडल संयोजिका सुश्री प्रज्ञा नौलखा, यशिका खटेड़ ने आज के Generation Gape Topic पर टॉक शो द्वारा शानदार प्रस्तुति दी। राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती कान्ता इंगरवाल ने विषय पर कविता द्वारा प्रस्तुति दी। सुदूर क्षेत्रों से आई हुई कन्या मंडल व महिला मंडल ने “परिष्कार के बढ़ते कदम - हम

किसी से नहीं है कम” विषय पर सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। संचालन श्रीमती पूजा कोठारी और दीपका भण्डारी द्वारा एवं आभार ज्ञापन रुचि तलसेरा ने किया। इस कार्यशाला में 24 क्षेत्रों की महिला मंडल व कन्या मंडल से लगभग 250 बहनों की उपस्थिति रही।

चतुर्थ सत्र एवं समापन समारोह

**परिष्कार से जानें - एक दूसरे की खूबियों को** अहमदाबाद महिला मंडल एवं कन्या मंडल, वापी कन्या मंडल द्वारा मंगलाचरण किया गया। कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती रमन पटावरी श्रीमती भारती पारख ने परिष्कार कार्यशाला पर अपने विचार प्रस्तुत किए। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद ने कन्या मंडल को संबोधित करते हुए कहा - बेटियां दिन में ऐसा काम न करें कि रात को नींद ना आये, और रात का ऐसा काम न करे कि दिन में मुंह छिपाना पड़े। अपने सुसंस्कारों द्वारा परिवार व समाज का नाम रोशन करें। कार्यक्रम में सभी क्षेत्रों से पधारें हुए महिला व कन्या मंडल का सर्टिफिकेट द्वारा सम्मान किया गया। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल ने वापी महिला मंडल को मोमेन्टो द्वारा सम्मान किया गया। वापी महिला मंडल ने भी सभी अ.भा.ते.म.मं. की पूरी टीम का स्वागत सम्मान किया। कार्यशाला में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद, महामंत्री तरुणाजी बोहरा, ट्रस्टी कनकजी बरमेचा, परामर्शक विमलाजी नाहटा, सहमंत्री मधु देरासरिया, प्रचार प्रसार मंत्री निधि सेखानी, कन्या मंडल प्रभारी रमनजी पटावरी, सह प्रभारी नमिताजी सिंघी, भारतीजी सेठिया, कान्ताजी इंगरवाल, भारतीजी पारख, कन्या मंडल राष्ट्रीय संयोजिका यशिका खटेड़ प्रज्ञा नौलखा की भी गरिमामय उपस्थिति रही।

## आगामी “परिष्कार” कार्यशाला

22-23 फरवरी 2020 को तेरापंथ महिला मंडल भीलवाड़ा द्वारा मेवाड़ स्तरीय महिला मंडल एवं कन्यामंडल की दो दिवसीय परिष्कार आंचलिक कार्यशाला आयोजित की जायेगी।

29 फरवरी 2020 को अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा इचलकरणजी में श्रद्धेय मातृहृदया साध्वीप्रमुखाश्रीजी के सान्निध्य में सांयकाल परिष्कार कार्यशाला रखी जाएगी। सभी बहनों से अनुरोध है आप भीलवाड़ा व इचलकरणजी में पधारें और अपने आने की सूचना गुप में जरूर डाल दें।

## दहिसर में युगल कार्यशाला

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार तेरापंथ महिला मंडल मुंबई के अन्तर्गत तेरापंथ महिला मंडल दहिसर में "WE" मिस्टर एण्ड मिसेज परफेक्ट, युगल कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की मुख्य अतिथि अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की महामंत्री श्रीमती तरुणा बोहरा ने पधारकर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। कार्यशाला की मुख्य वक्ता मुंबई मंडल की उपाध्यक्ष एवं उपासिका श्रीमती रचना हिरण ने विषय पर अपने विचार रखे। लगभग 15 जोड़ें एवं 55 बहनों की अच्छी उपस्थिति रही।

## डोम्बिवली में युगल कार्यशाला

तेरापंथ महिला मंडल डोम्बिवली द्वारा मिस्टर एंड मिसेज परफेक्ट का आयोजन स्थानीय सभा में किया गया। सभी का स्वागत संयोजिका मधु कोठारी ने किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की महामंत्री श्रीमती तरुणा बोहरा, महिला मंडल की सहमंत्री श्रीमती सरोज सिंघवी, कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती अंजना सिंघवी, सुधा सिंघाल, डोम्बिवली युवक परिषद् के अध्यक्ष श्रीमान राकेशजी कोठारी, मंत्री श्रीमान ललित जी पुनमिया, उपाध्यक्ष श्रीमान सुरेश जी बैद, सहमंत्री श्रीमान दिलीप जी बडाला, निवर्तमान युवक परिषद् के अध्यक्ष श्रीमान ललित जी सिंघवी सहित सभी पदाधिकारियों की विशेष उपस्थिति रही। कुशल मंच संचालन रीना हिंगड़ ने किया। 8 युगल जोड़ों ने बड़े उत्साह से भाग लिया। 80 जागरूक महिला मंडल की उपस्थिति से कार्यशाला को सफल बनाया। आभार ज्ञापन सह संयोजिका अनिता जी बडाला ने किया।

## वृहद युगल कार्यशाला

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित तेरापंथ महिला मंडल जयपुर शहर द्वारा आयोजित “स्व से शिखर तक” Mr. & Mrs Perfect “बने खुशहाल जीवन की प्रयोगशाला” वृहद युगल कार्यशाला 12 जनवरी को अणुविभा केन्द्र में मुनिश्री कुलदीप कुमारजी व मुनिश्री जम्बूकुमारजी के सान्निध्य में आयोजित की गई। प्रेरणा पाथेय में मुनिश्री ने फरमाया – पति पत्नी का एक दूसरे के पूरक बनकर सहभागिता निभाना ही कुशल दाम्पत्य है। आपसी विश्वास खुशहाल जीवन के लिए प्रयोगधर्मी बने।

विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद उपस्थित थी, जिन्होंने खुशहाल जीवन पर सटीक विचार दिए कि दाम्पत्य जीवन रिश्तों की वह कड़ी है जो संसार के सभी सम्बन्धों में नजदीक एवं घनिष्ठ है। मुनि जम्बूकुमारजी ने फरमाया – दाम्पत्य जीवन शान्तिमय हो इसके तीन आधार तत्व हैं – आचार, विचार और संस्कार। व्यक्ति का आचार शुद्ध हो तो अनेक समस्या स्वतः ही समाप्त हो जाती है।

युवा मुनि मुकुलकुमारजी ने अपने ओजपूर्ण स्वर में मन्त्रानुष्ठान कराते हुए दाम्पत्य जीवन में प्रेम, सौहार्द और सांमजस्य कैसे स्थापित हो इस सन्दर्भ में ज्योतिष, वास्तु व मन्त्रों की अति विशिष्ट जानकारी दी।

इस कार्यशाला में अध्यक्ष नेहा नागौरी व मंत्री सुमन कोठारी के प्रयास से 131 जोड़े व 100 से ज्यादा एकल प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। 350 से भी ज्यादा प्रतिभागियों की इस वृहद कार्यशाला में सभी सभा संस्थाओं के गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। अभातेममं की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद-श्रीमान् नरतप जी बैद जोड़े से पधारे। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमती सरिता जी डागा व राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती गुलाब जी बोथरा व श्रीमती मधु श्यामसुखा भी जोड़े से पधारे।

जयपुर शहर महिला मंडल अध्यक्ष नेहा नागौरी ने सभी का स्वागत किया। स्व से शिखर तक के पोस्टर का विमोचन मुनिश्री द्वारा करवाया गया। कार्यशाला से संबंधित तैयार करवाई गई किट मुनिश्री को भेंट की गई।

जिज्ञासा समाधान सत्र में सभा में उपस्थित सभी सहभागी सदस्यों ने अपनी जिज्ञासाओं के प्रश्न पूछे व मुनिश्री द्वारा समाधान प्रस्तुत किया। सभाध्यक्ष श्रीमान् ओमप्रकाशजी जैन ने भी अपने विचार रखते हुए महिला मंडल की इस कार्यशाला की प्रशंसा की। कार्यक्रम का संयोजन लतीशा कुण्डलिया ने किया व आभार ज्ञापन मंत्री सुमन कोठारी ने किया।

## लाडनूँ ओसवाल सभा का दो दिवसीय शताब्दी समारोह

दिनांक 24-25 दिसम्बर 2019 को लाडनूँ में ओसवाल सभा का शताब्दी समारोह पंचायती पोल में मनाया गया। जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद को विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। समारोह में मुनिश्री देवेन्द्र कुमारजी, मुनिश्री जयकुमारजी व अन्य साधुवंद भी उपस्थित थे। समारोह का ध्वजारोहण राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा जी बैद का सम्मान किया गया। कार्यक्रम बहुत ही प्रभावी व गरिमामय था।

## लाडनूँ - विमल विद्या विहार

लाडनूँ - जैन विश्व भारती मातृ संस्थान की एक इकाई के रूप में संचालित विमल विद्या विहार इंग्लिश मीडियम स्कूल में एनुअल स्पोर्ट्स मीट 2020 विद्यालय परिसर में 24 दिसम्बर को हुई। मुम्बई के चांद रतन, भैरुदान दुगड़ के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद ने की। मुख्य अतिथि प्रोफेसर बी. आर. दुगड़, जैन विश्व भारती के मंत्री गौरव जैन, संयुक्त सचिव अशोक चिण्डालिया व प्रवीण बरड़िया रहे। विजयश्री शर्मा ने स्वागत किया व आभार ज्ञापन प्रधानाचार्य वनिता धर ने किया।

## शाखा कार्य प्रतिवेदन रिपोर्ट - ऑनलाइन



प्रिय बहनों,

प्रतिवर्ष आपको वार्षिक गति प्रगति विवरण राष्ट्रीय मंत्री कार्यालय से भेजा जाता है इस बार आपको ऑनलाइन प्रतिवेदन भरना है। राष्ट्रीय मंत्री कार्यालय से अपनी शाखा का ऑनलाइन लॉगिन प्राप्त करें।

सुनिश्चित करें कि आपके शाखा अध्यक्ष एवं मंत्री का सही पता एवं मोबाईल नंबर सिस्टम में दर्ज है? नहीं होने पर कार्यालय (कांताजी इंगरवाल) से अपडेट करवाएं। कार्यक्रम का नाम, दिनांक, संभागी मेंबर संख्या, फोटोस, 2-3 पेरोग्राफ में प्रोग्राम की न्यूज, प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर का विवरण - फोटो ज्यादा से ज्यादा 2-5 MB का ही होना चाहिए।

इस संपूर्ण जानकारी को आपको यूनिकोड हिंदी फॉन्ट में ही टाईप कराना है।

अपनी शाखा के लॉगिन में जाने के बाद आपको Dashboard पर Upcoming, Ongoing, Pending Project के आंकड़े दिखेंगे।

मीनू (menu) में Active-Events, Progress Report, Change Password ऑप्शन उपलब्ध है।

Events मीनू में आपकी शाखा द्वारा रिपोर्ट भरने बाकी के प्रकल्पों की लिस्ट दिखेंगी - इसमें प्रत्येक प्रोजेक्ट अनुसार आप डिटेल्स भर सकते हैं

आप अपने द्वारा भरी हुई डिटेल अपडेट भी कर सकते हैं - मंत्री कार्यालय द्वारा आपका भरा हुआ विवरण एक बार कन्फर्म हो जाने पर यह लॉक हो जाएगी।

आप प्रत्येक Events की जानकारी भरने के बाद उसका ई-मेल एवं Acknowledgement प्रिन्ट भी निकाल सकते हैं।

Progress Report ऑप्शन में आपके द्वारा पहले भरे हुए प्रोग्राम की दिनांक अनुसार लिस्ट देखी जा सकती है।

यह संपूर्ण कार्य आप अपने मोबाईल फोन में हमारी वेबसाईट से कर सकते हैं

आपका हस्तलिखित कार्य कम हो, आपके द्वारा किए हुए प्रोग्राम की सुविस्तृत जानकारी राष्ट्रीय टीम को बिना फोन/मैनपॉवर लगाए मिले - यह हमारा मानस है एवं आगे आने वाले बड़े प्रोजेक्ट्स में कार्य होते ही राष्ट्रीय स्तर के आंकड़े तुरंत मिल जाए, यह अभिलाषा है।

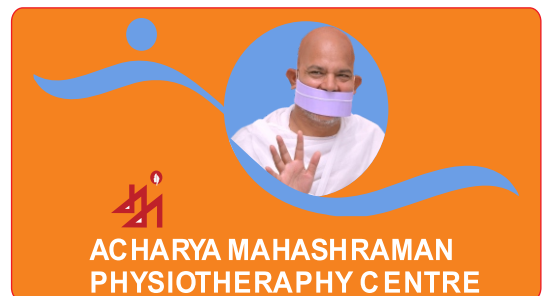
इस नूतन वर्ष में अभिनव संकल्प के साथ इस प्रक्रिया को अपने रूटिन में प्रचलित करने में आपका प्यार एवं सहयोग अपेक्षित है।

ऑनलाइन रिपोर्टिंग करते वक्त कोई भी जानकारी के लिए संपर्क करें - श्रीमती तरुणा बोहरा, महामंत्री - 8976601717, रा.का.स. श्रीमती कांता इंगरवाल, - 7977314467

### फिजियोथैरेपी सेन्टर

हम आपको ये सूचित कर चुके हैं कि 2019-21 के कार्यकाल में जो भी क्षेत्र फिजियोथैरेपी सेन्टर खोलना चाहे उसके लिए मशीनी उपकरण अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल देगा। अतः जो भी क्षेत्र सेन्टर खोलना चाहे वो सम्पर्क करें-

संयोजिका - कल्पना बैद-9831046456, विमला दुगड़ - 9314517737



## रास्ते की सेवा ▼

भावना निर्जरा का अनूठा उपक्रम, निरंतर चल रहा है सुंदर अभिक्रम।।  
शाखा मंडलों का मिल रहा है पल पल साथ, संयोजिकाओं का है इसमें पूरा हाथ।



राष्ट्रीय कार्यसमिति एवं शाखा मंडलों के सहयोग से “भावना चौका” सुचारु तरीके से संपादित हो रहा है। आप सभी के सहयोग से वर्ष 2020 के जून की सेवा तक के लगभग नाम आ चुके हैं। सेवा में नाम देने हेतु हमारी संयोजिका पुष्पा जी बोकाड़िया 9312223397 एवं सरला जी श्रीमाल 991619997 से संपर्क करें।

भावना चौका के अन्तर्गत जिन-जिन शाखा मंडलों ने अबतक अपनी सेवाएं दी हैं, फरवरी तक की सूची इस प्रकार है, तथा फरवरी माह में आने वाले संभावित शाखा मंडलों के नाम भी नीचे दिये जा रहे हैं।

Name	ABTMM	Date
Mala Ji Katrela	WC	8 Dec. - 14 Dec.
Prakash Ji Tated	Trustee	28 Dec. - 1 Jan.
Lata Ji Goyal	WC	28 Dec. - 1 Jan.
Puspa Ji Bokadia	WC	31 Dec. - 4 Jan.
Neelam Ji Sehtia	Vice President	21 Jan - 27 Jan.

नोट : इसके अलावा भी कार्यसमिति की कई बहनों ने दो-तीन दिन के लिए निर्जरा के इस महनीय उपक्रम में अपनी सहभागिता दी है।

S.No.	Date	Name	Sakha Mandal	State	Group Members	Contact
1.	15 Nov.- 23 Nov.	Shanti Sanklecha and Group	Gandhinagar, Banglore	Karnataka	5	9844060700
2.	22 Nov.- 5 Dec.	Sarla Srimal, Sahsi Kala Ji Nahar Sudha Ji Nolkha	Mysore, Hubli, Hasan Mahila Mandal	Karnataka	4	9916119997
3.	8 Dec.- 14 Dec.	Malaji Katrela and group	Chennai Mahila Mandal	Tamil Nadu	5	9841725560
4.	15 Dec.- 21 Dec.	Anju Kothari and Group	Mumbai Mahila Mandal	Maharashtra	7	9004658284
5.	21 Dec.- 27 Dec.	Ranju Ji Solanki and Group	Hanumant Nagar Mahila Mandal Banglore	Karnataka	5	9036103698
6.	28 Dec.- 3 Jan.	Lataji Gadhiya and Group	Gandhi Nagar Banglore Mahila Mandal	Karnataka	5	9480404746
7.	3 Jan.- 9 Jan.	Shreya Bafna and Group	Udhna Mahila Mandal	Gujrat	6	9376667761
8.	10 Jan.- 13 Jan.	Malaji Katrela and Group	Chennai Mahila Mandal	Tamil Nadu	3	9841725560
9.	14 Jan.- 20 Jan.	Anita Ji Bothra and Group	Vijaynagram Mahila Mandal	Andhra Pradesh	5	9345424157
10.	21 Jan.- 27 Jan.	Neelam Ji Sehtia and Group	Selam Mahila Mandal	Tamil Nadu	2	9952426060
11.	28 Jan.- 2 Feb.	Sayar Ji Manak Ji Kohari and Group	Kishanganj & Ladnun Mahila Mandal	Bihar, Rajasthan	3+2	9929032040
12.	2 Feb.- 7 Feb.	Ganga Devi and Group	Mysore Mahila Mandal	Karnataka	5	9686633441
13.	8 Feb.- 14 Feb.	Sudha Ji Nolkha and Group	Mysore Mahila Mandal	Karnataka	5	9035203484
14.	14 Feb.- 20 Feb.	Manitaji Chopra and Group	Ahmedabad Mahila Mandal	Gujrat	7	9974810208
15.	21 Feb.- 26 Feb.	Sarla Ji Dhariwal and Group	Surat Mahila Mandal	Gujrat	7	
16.	26 Feb.- 3 Mar.	Suman Ji Kothari and Group	Jaipur Sahar Mahila Mandal	Rajasthan	4	9829927629

सम्पर्क सूत्र : भावना चौका संयोजिका श्रीमती सीमा बैद-8084020043

## अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस एवं प्रेरणा सम्मान

दिनांक 8 मार्च अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में सभी शाखा मंडलों को Women on Wheels # WOW (इसके mirror reflection में MOM लिखवाएंगे) का आयोजन अपने क्षेत्र में करना है।



1. इस कार्यक्रम के अन्तर्गत महिलाओं को दुपहिया वाहन पर रैली निकालनी होगी।
2. रैली के दौरान "I Respect के placard दुपहिया वाहन पर पीछे बैठी हुई बहनें पकड़े।
3. स्वयं जागे और दूसरों को जगाएं – नारी सम्मान हेतु "I Respect" Online signature campaign का लॉन्च।
4. रैली में क्षेत्र की सभी महिला संगठनों को आमंत्रित करें।
5. रैली में तेरापंथ की सभी संस्थाओं सहित भाइयों को भी सहभागिता निभाने के लिए प्रेरित करें।
6. अपने क्षेत्र में रैली निकालने से पूर्व प्रशासनिक अधिकारियों से सम्पर्क कर उन्हें भी रैली में आमंत्रित करें।
7. "I Respect" कम्पेनियन के अंतर्गत केन्द्र द्वारा प्रेषित एक वेब लिंक शेयर किया जाएगा, जिसे ज्यादा से ज्यादा प्रसारित करें, और कम्पेनियन को सपोर्ट करें।
8. रैली कम से कम 2 कि.मी. की हो। छोटे क्षेत्र अपनी सुविधानुसार कर सकते हैं।
9. I Respect के placard. कार्यक्रम के बैनर, लोगो, प्रमोशनल वीडियो व सभी प्रकार की प्रचार प्रसार सामग्री whatsapp द्वारा प्रेषित की जाएगी।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें :- सहमंत्री – श्रीमती नीतू ओस्तवाल, 9461531077

कन्या मंडल राष्ट्रीय संयोजिका – याशिका खटेड़ – 9380691000

**प्रेरणा सम्मान** – इस रैली में प्रबुद्धजनों को निमन्त्रण दिया जाए। यह प्रेरणा सम्मान जब रैली समाप्त होगी तब एक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा जिसमें महिला एवं कन्या सशक्तिकरण पर विचार रखे जाएंगे और प्रबुद्ध महिलाओं को प्रेरणा सम्मान से सम्मानित किया जायेगा। ये सम्मान 2-3 महिलाओं को भी दे सकते हैं।

सभी क्षेत्र अपने स्थानीय स्तर पर किसी अति विशिष्ट व्यक्तित्व सम्पन्न महिला जो चाहे जैन न हो पर कलेक्टर, महिला आयोग की अध्यक्ष, कोई राजनेता, समाज सेवी इत्यादि महिला को “प्रेरणा सम्मान” से सम्मानित करें ताकि हमारी सभी बहनों को उनके जीवन से प्रेरणा प्राप्त हो सके एवं वह प्रबुद्ध स्त्री हमारी संस्था व धर्मसंघ से परिचित, प्रभावित हो सके।

### जैन स्कोलर योजना

आचार्य श्री तुलसी का स्वप्न था कि संघ में जैन विद्वान तैयार किए जाएं। आचार्यश्री महाश्रमणजी के आशीर्वाद से अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा जैन स्कोलर तैयार करने की दिशा में एक सफलतम प्रयास है। श्रद्धेय महाश्रमणजी के इंगितानुसार यह योजना उत्तरोत्तर विकास की ओर अग्रसर है। जैन स्कोलर का तीसरे बैच का तीसरा सत्र 19 मार्च से 29 मार्च 2020 तक लाडनूं में जैन स्कोलर निर्देशिका डॉ. मंजू नाहटा के निर्देशन में प्रारम्भ होने जा रहा है। मेरा सबसे निवेदन है कि ज्यादा से ज्यादा प्रयास करके हर क्षेत्र में स्कोलर्स तैयार किये जाएं। सभी स्कोलर्स को अग्रिम शुभकामना।



# कन्या मंडल 2019-21

क्र. सं.	रजि. नं.	संयोजिका	शहर
<b>आंध्रप्रदेश</b>			
1	53	प्रियंका गोलछा	विजयवाड़ा
2	55	पायल सुराणा	हैदराबाद
3	140	हर्षा नाहटा	विजयनगरम
4	158	प्रज्ञा चोरड़िया	विशाखापट्टनम्
<b>आसाम</b>			
5	66	श्वेता नाहटा	धुबड़ी
6	88	चित्रा नाहर	गुवाहाटी
7	154	प्रिया बाफना	बोंगाईगांव
<b>बिहार</b>			
8	42	आस्था गिड़िया	पूर्णिया
9	108	दिव्या राखेचा	फॉरबिसगंज
10	151	चैनिका दूगड़	अररिया
<b>छत्तीसगढ़</b>			
11	139	भावना गादिया	रायपुर
<b>दिल्ली</b>			
12	93	मुस्कान सिंघल	नई दिल्ली
<b>गुजरात</b>			
13	4	मुस्कान मण्डोतर	गांधीधाम
14	7	श्रुष्टि महेर	अहमदाबाद
15	8	निराली पारिख	सूरत
16	60	सलोनी बाफना	उधना
17	102	पिंकल जैन	कामरेज
18	110	भूमि गन्ना	कीम
19	111	प्रेक्षा गोखरू	सचिन
20	112	डेसी पोखरना	बारडोली
21	119	मोनिका श्रीमाल	बड़दरा
22	120	खुशबू जैन	वापी
23	135	रिंकू सिंघवी	अमराई बाड़ी
24	161	प्रियंका मेहता	लिम्बायत
25	162	वैशाली भटेवरा	विजयनगर
26		निधि चोरड़िया	चलथान
27		भावना बोहरा	नवसारी
<b>हरियाणा</b>			
28	28	प्राची जैन	भिवानी
29	54	ऋचा तातेड़	फरीदाबाद
<b>कर्नाटक</b>			
30	6	पूजा गन्ना	बैंगलूर
31	6	प्रकाश गदिया	राजाजीनगर
32	14	वर्षा बरलोटा	चिकमंगलूर
33	84	दीक्षा बरलोटा	हसन
34	86	पूजा लूंकड़	बेलारी
35	114	मोनिका मुथा	गदग
36	115	विद्या पितलिया	मैसूर
37	132	अंकिता श्रीश्रीमाल	हुबली

क्र. सं.	रजि. नं.	संयोजिका	शहर
38	164	ज्योति भदानी	त्रिरपुर
39	167	ऋतु दक	मंडिया
40	168	सुमन संचेती	के.जी.एफ.
41	169	दिव्या मांडोत	हनुमंतनगर
42	170	काजल बाबेल	दासरहल्ली
43	171	स्नेहा गन्ना	यशवंतपुर
44	173	रुचिका चोपड़ा	गंगावती
45	179	नेहा नाहर	सिंधनूर
<b>मध्यप्रदेश</b>			
46	65	निधि दूगड़	इंदौर
47	83	परावी पीपाड़ा	पेटलावद
48	107	प्राची बोहरा	झखनावद
49	160	ममता गांधी	पर्वत पाटिया
50	177	रुचिका कोठारी	रतलाम
<b>महाराष्ट्र</b>			
51	23	सलोनी डेलरिया	ईचलकरणजी
52	52	आकांक्षा रांका	जलगांव
53	87	ध्रुवी मादरेचा	मुंबई
54	101	पिंकी चपलोत	पालघर
55	103	दीपशिखा दूगड़	औरंगाबाद
56	181	सलोनी कांकरिया	साकरी
57		रिया बुच्चा	नागपुर
<b>नेपाल</b>			
58	109	सुनीता पारख	बिराटनगर
59	146	पूजा सांड	काठमांडू
<b>उड़ीसा</b>			
60	43	ममता जैन	केसिंगा
61	67	कीर्ति बुच्चा	कटक
62	85	साक्षी बेताला	भूवनेश्वर
<b>पंजाब</b>			
63	64	सूरभि नाहटा	लुधियाना
<b>राजस्थान</b>			
64	1	निशि सिंधी	लाडनूं
65	2	साक्षी दूगड़	श्रीडूंगरगढ़
66	9	शुभि कोठारी	जयपुर
67	16	शीतल सेखानी	बीदासर
68	17	श्वेता बोहरा	सरदारशहर
69	18	विधि भंसाली	बालोतरा
70	19	विद्या चौपड़ा	पचपदरा
71	20	देवकन्या जैन	असाढ़ा
72	25	महक गोलछा	बीकानेर
73	82	जुली नाहटा	कालू
74	27	सेजल दूगड़	भीलवाड़ा
75	30	रिंकी भाटिया	पीलिबंगा
76	31	स्नेहा चोरड़िया	नोखा

क्र. सं.	रजि. नं.	संयोजिका	शहर
77	32	गरिमा सेठिया	गंगाशहर
78	33	जया फतावत	उदयपुर
79	34	मुस्कान बालेर	पाली
80	40	प्रेक्षा मुथा	नाथद्वारा
81	45	चेतना भूतोड़िया	छापर
82	46	काजल जैन	छोटी खाटू
83	47	सीमा गधिया	राजगढ़
84	49	कलिका चौपड़ा	राजलदेसर
85	56	दीपिका सालेचा	जसोल
86	57	चिंकी मण्डोत	राजसंमन्द
87	58	करिश्मा बाफना	कांकरोली
88	61	तानिया जैन	मदनगंज किशनगढ़
89	62	ऋद्धि पामेचा	आमेट
90	63	मोनिका छाजेड़	लूणकरणसर
91	77	सुरभि मनोत	उदासर
92	79	रानू जैन	जयपुर
93	92	जूली नाहटा	केलवा
94	94	सोनीया दुगड़	चाड़वास
95	95	ऋतु जैन	सवाईमाधोपुर
96	122	निरू छाजेड़	नोहर
97	123	निकिता श्यामसुखा	रतनगढ़
98	131	कोमल बोथरा	भीनासर
99		रिंकू खमेसरा	पहुना
<b>दक्षिण कोलकाता</b>			
100		प्रेक्षा मनोत	दक्षिण कोलकाता
<b>तमिलनाडु</b>			
101	5	हार्दिका मुथा	चेन्नई
102	10	खुशबू भण्डारी	सेलम
103	69	शालिनी डूंगरवाल	ईरोड़
104	81	भावना बोथरा	कोयम्बटूर
105	138	मिताली भंसाली	मदुरई
106	166	प्रेरणा कोठारी	राजेश्वरीनगर
107	175	निधि कोठारी	पल्लारवर्म
<b>पश्चिम बंगाल</b>			
108	3	कृति कोचर	कोलकाता
109	12	दिव्या नाहटा	उत्तर हावड़ा
110	41	तारा चौपड़ा	हावड़ा
111	118	दिव्या सेठिया	सिलीगुड़ी
112	137	लक्षिता घोड़ावत	हिन्द मोटर
113	176	रितिका चपलोत	कोलकाता



# ज्ञान चेतना प्रश्नोत्तरी - फरवरी 2020

प्रिय बहनो,

सादर जय जिनेन्द्र!

‘तमसो मा ज्योतिर्गमय’

अन्धकार से उजाले की यात्रा, अज्ञान से ज्ञान की यात्रा के इच्छुक हम सभी अपनी ज्ञान चेतना को जगाकर हमारी लक्षित मंजिल के मार्ग को प्रशस्त करने का एक प्रयास “ज्ञान चेतना प्रश्नोत्तरी” के माध्यम से कर रहे हैं। आप सभी को यह कैसी लग रही है इस बारे में अपने विचार अवश्य प्रेषित करें।

- जनवरी माह में कुल 92 क्षेत्र से 2151 प्रविष्टियां प्राप्त हुईं।

- 100 से अधिक प्रविष्टियां भेजने वाले सक्रिय क्षेत्र हैं - मुंबई, सूरत, अहमदाबाद, बालोतरा, जयपुर शहर।

- 50 से अधिक प्रविष्टियां भेजने वाले सक्रिय क्षेत्र हैं - जसोल, दक्षिण हावड़ा, राजसमंद, इन्दौर, बारडोली।

नोट:-

- उत्तर फुल साइज पेज पर हाशिया छोड़ते हुए शुद्ध एवं जितना पूछा जाए उतना ही लिखें।
- उत्तर पुस्तिका पर अपना नाम, फोन नं. और पूरा पता, पिनकोड सहित लिखा हुआ ही मान्य किया जाएगा।
- अगर अधिक संख्या में प्रविष्टियां एक ही लिफाफे में भेजते हैं तो लिफाफे के ऊपर प्रविष्टियों की संख्या अवश्य लिखें।
- उत्तर महिने की 25 ता. तक श्रीमती मधु देरासरिया के पते पर अवश्य पहुंच जाए।

पता:-

Mrs. Madhu Jain Derasaria C/o Mr. Devendra Jain  
5/C Meghsaraman Apt. Tower-I, Citilight-395007, Surat (Gujrat)  
Mob. : 9427133069

## प्रश्नोत्तरी

संदर्भ पुस्तक:- संबोधि पृष्ठ संख्या 46 से 52 (अध्याय 4), कर्मवाद पृष्ठ संख्या 53 से 65

(अ) रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए -

(प्रथम अक्षर अ, आ होना आवश्यक है)

1. जो इन्द्रियों से विहीन है उन्हें ..... सुख कैसे मिलेगा ?
2. यह मेरी साक्षात ..... है इसमें संदेह मत कर।
3. .... महायोगी,
4. .... का योग मिलते ही सुख-दुःख में बदल जाता है।
5. .... आधार।
6. .... से ही उसका प्रादुर्भाव होता है।
7. उन्हें सहज ..... का अनुभव नहीं होता।

8. .... बाधारहित और स्थायी होता है।
9. वह सत्ताकाल ..... कहलाता है।
10. सब कर्मों का अपना-अपना ..... होता है।

**(ब) प्रश्नों के उत्तर केवल गिनती में दीजिए।**

1. मन के विभाग ?
2. कर्म बंध की अवस्था ?
3. काल के प्रकार ?
4. साधना के सूत्र ?
5. चंचलता को नहीं रोकने वाले तत्व ?
6. साधना के तट ?
7. मानसशास्त्र की वृत्तियों के प्रकार ?
8. साधना के आधार बिन्दु ?
9. भाव पदार्थ के प्रकार ?
10. सुखानुभूति के प्रकार ?

**(स) पहेली - बूझो तो जाने।**

1. ये तीनों की तिकड़ी  
ध्यानी की बात बिगड़ी  
ध्यान को छुड़ाए  
संकल्प विकल्प के जाल में फंसाए  
वह ज्ञानी कहलाए  
जो इसका उत्तर बताए ?
2. सांकल एसी अजब गजब की  
न लोहे की, न सोने की  
इससे बंधकर व्यक्ति भागे  
खोलने पर वह पंगु लागे।

## दिसम्बर माह के विजेता ▼

- |                              |              |                           |          |
|------------------------------|--------------|---------------------------|----------|
| 1. श्रीमती अर्चना सोनी       | कांकरोली     | 6. श्रीमती चंदा सेठिया    | तिरुपुर  |
| 2. श्रीमती सुशीला देवी वडेरा | टापरा        | 7. श्रीमती अंजु बोथरा     | दीमपुर   |
| 3. श्रीमती छतरदेवी तातेड़    | सूरत         | 8. श्रीमती कविता दक       | मैसूर    |
| 4. श्रीमती निशा कुण्डलिया    | विशाखापट्टनम | 9. श्रीमती आशा खाब्या     | अहमदाबाद |
| 5. श्रीमती सुमन जैन          | हिसार        | 10. श्रीमती मोनिका भंसाली | इचलकरंजी |

## जनवरी माह के उत्तर

### (अ) वर्ग पहेली

- |                       |                       |                                  |
|-----------------------|-----------------------|----------------------------------|
| 1. मथुरा-648          | 2. नाइट्रोजन-98675    | 3. मार्गान्तरीकरण-1795683        |
| 4. स्थूलजगत-84703     | 5. साधना-019          | 6. कर्मप्रायोग्यपुद्गल-651496304 |
| 7. कामशक्ति-2650      | 8. अच्छी सरकार-273828 | 9. प्रशस्त राग-15280             |
| 10. सदाचरण-36083      | 11. सकर्मात्मा-3620   | 12. विवेक शून्य-13684            |
| 13. अंकुरित-3493      | 14. कर्मशरीर-65558    | 15. सेनापति-5972                 |
| 16. मिथ्यात्व-980     | 17. कामना-269         | 18. दर्शन, वीर्य-165, 57         |
| 19. प्रसरण शील-138314 | 20. दूरा चरण-28083    |                                  |

### (ब) पंक्ति पूर्ण कीजिए

1. नैद चितं समादाय, भूयो लोके स जायते।
2. सुचिरं बद्धयते सैष, स्वल्प चारित्र मोहतः॥
3. सुखास्वादाः समे जीवाः, सर्वे सन्ति प्रियायुषः।
4. कष्टं यो मन्यते स्पष्टं परिणामं स्वकर्मणः।
5. अवधिर्जायते ज्ञानं, संयतस्य तपस्विनः॥

## अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को मिलने वाला अनुदान

- |          |  |
|----------|--|
| 51,000/- | श्रीमान् शांतिलाल-रानीजी भंसाली सिलीगुड़ी-छापर द्वारा सप्रेम भेंट।         |
| 21,000/- | श्रीमान् मदनलाल-नीलम देवी मालू सिलीगुड़ी-सार्दुलपुर द्वारा सप्रेम भेंट     |
| 21,000/- | तेरापंथ महिला मंडल वापी द्वारा सप्रेम भेंट।                                |
| 11,000/- | श्रीमान् धनराजजी-पुष्पा देवी डागा (बैंगलोर, गंगाशहर) द्वारा सप्रेम भेंट।   |
| 11,000/- | श्रीमान् भगवानदासजी-सरोज देवी बोहरा (बैंगलुरु-फतेहपुर) द्वारा सप्रेम भेंट। |
| 11,000/- | श्रीमान् सुरेन्द्रजी-आशा सेठिया (बैंगलोर, बगड़ी) द्वारा सप्रेम भेंट।       |
| 11,000/- | श्रीमान् कमलज-लता गादिया (रायसिंह का गुड़ा, बैंगलोर) द्वारा सप्रेम भेंट।   |
| 5,100/-  | श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल हरियाणा द्वारा सप्रेम भेंट।         |

## अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा सभी अनुदानदाताओं के प्रति हार्दिक आभार !

अध्यक्षीय कार्यालय : श्रीमती पुष्पा बैद - "पावन" बी-106/107, विद्युत नगर-बी, क्वीन्स रोड, जयपुर - 302021  
मो. : 9314194215, 8209004923 ईमेल pushpabaid312@gmail.com

महामंत्री कार्यालय : CA तरूणा बोहरा - 301, साधना पैलेस, मराठा कॉलोनी, दहिसर (पूर्व) मुम्बई - 400068  
मो. : 8976601717 ईमेल tarunajain365@gmail.com

कोषाध्यक्ष कार्यालय : श्रीमती रंजु लुणिया - लुणिया मार्केटिंग प्रा. लिमिटेड, बड़ा बाजार, छेरा बस स्टॉप के पास,  
शिलोंग-793001 (मेघालय) मो: 94361033330, 8787645164 ईमेल Implshillong@gmail.com

नारीलोक संपादन सहयोगी : श्रीमती गुलाब बोथरा मो : 9462342976

नारीलोक देखें website : www.abtmm.org



## सदस्य जनगणना

डिजिटल डायरेक्ट्री बनाने का शुरु किया अभियान। सदस्य जनगणना से होगी हम सबकी पहचान।।

### January -2020

Sunday	5	12	19	26	
Monday	6	13	20	27	
Tuesday	7	14	21	28	
Wednesday	1	8	15	22	29
Thursday	2	9	16	23	30
Friday	3	10	17	24	31
Saturday	4	11	18	25	



## Business Women Network

शिक्षा, प्रतिभा व क्षमताओं का होगा समुचित उपयोग। विकास के पायदानों पर मिलेगा सबका संयोग।।

### February-2020

Sunday	2	9	16	23	
Monday	3	10	17	24	
Tuesday	4	11	18	25	
Wednesday	5	12	19	26	
Thursday	6	13	20	27	
Friday	7	14	21	28	
Saturday	1	8	15	22	29



## ब्रेनविटा

ब्रेनविटा ऑनलाईन से पाएं हर प्रकार का ज्ञान स्वास्थ्य, इतिहास, सामान्य ज्ञान और संविधान

### March-2020

Sunday	1	8	15	22	29
Monday	2	9	16	23	30
Tuesday	3	10	17	24	31
Wednesday	4	11	18	25	
Thursday	5	12	19	26	
Friday	6	13	20	27	
Saturday	7	14	21	28	



## आयम्बिल

अ.भा.ते.म.मं. ने चलाया निर्जरा अभियान। दिव्य शक्तियों को जागृत करने, करें सब आयम्बिल अनुष्ठान

### April-2020

Sunday	5	12	19	26	
Monday	6	13	20	27	
Tuesday	7	14	21	28	
Wednesday	1	8	15	22	29
Thursday	2	9	16	23	30
Friday	3	10	17	24	
Saturday	4	11	18	25	

## स्व से शिखर तक

ज्ञान चेतना वर्ष करे उत्कर्ष



### May-2020

Sunday	31	3	10	17	24
Monday	4	11	18	25	
Tuesday	5	12	19	26	
Wednesday	6	13	20	27	
Thursday	7	14	21	28	
Friday	1	8	15	22	29
Saturday	2	9	16	23	30



## भावना सेवा

गुरु की सन्निधि में रहकर प्रारम्भ किया भावना चौका सेवा और गोचरी के महत्व को समझने का मिलेगा मौका

### June-2020

Sunday	7	14	21	28	
Monday	1	8	15	22	29
Tuesday	2	9	16	23	30
Wednesday	3	10	17	24	
Thursday	4	11	18	25	
Friday	5	12	19	26	
Saturday	6	13	20	27	



## आओ चले गांव की ओर

देना है संपोषण हर डगर, हर छोर आओ चले गांव की ओर

### July-2020

Sunday	5	12	19	26	
Monday	6	13	20	27	
Tuesday	7	14	21	28	
Wednesday	1	8	15	22	29
Thursday	2	9	16	23	30
Friday	3	10	17	24	31
Saturday	4	11	18	25	



## कन्या सुरक्षा योजना

करनी है जीवन की रक्षा कन्याओं की करो सुरक्षा

### August-2020

Sunday	30	2	9	16	23
Monday	31	3	10	17	24
Tuesday	4	11	18	25	
Wednesday	5	12	19	26	
Thursday	6	13	20	27	
Friday	7	14	21	28	
Saturday	1	8	15	22	29



## स्वस्थ परिवार स्वस्थ समाज

खुशहाली का पौध उगाएं आओ स्वर्ग धरा पर लाएं

### September-2020

Sunday	6	13	20	27	
Monday	7	14	21	28	
Tuesday	1	8	15	22	29
Wednesday	2	9	16	23	30
Thursday	3	10	17	24	
Friday	4	11	18	25	
Saturday	5	12	19	26	



## आचार्य तुलसी शिक्षा हृदयांगम

जैन धर्म के सिद्धान्तों को गहराई से जाने समझे, हृदयगम करें, जन-तन तक पहुंचाने।

### October-2020

Sunday	4	11	18	25	
Monday	5	12	19	26	
Tuesday	6	13	20	27	
Wednesday	7	14	21	28	
Thursday	1	8	15	22	29
Friday	2	9	16	23	30
Saturday	3	10	17	24	31

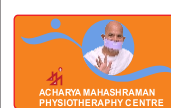


## स्वच्छ भारत अभियान

सुनो वक्त की पुकार प्लास्टिक को करो इंकार

### November-2020

Sunday	1	8	15	22	29
Monday	2	9	16	23	30
Tuesday	3	10	17	24	
Wednesday	4	11	18	25	
Thursday	5	12	19	26	
Friday	6	13	20	27	
Saturday	7	14	21	28	



## आचार्य महाश्रमण फिजियोथेरेपी सेन्टर

सेवा, चिकित्सा का सुंदर अवसर

### December-2020

Sunday	6	13	20	27	
Monday	7	14	21	28	
Tuesday	1	8	15	22	29
Wednesday	2	9	16	23	30
Thursday	3	10	17	24	31
Friday	4	11	18	25	
Saturday	5	12	19	26	